



स्वयान कैंडे

पहुरा थारु दैनिकके अनलाइन न्यूज ओ ओकरभिट्टर डारल इ-पेपरमे देशविदेशसे हमार अनलाइन न्यूज ओ पत्रिका पहे सेक्वी ।

थारु भाषाके 'क' वर्गके राष्ट्रिय दैनिक

भाषा, संस्कृति ओ समाचारमूलक पत्रिका

पहुरा



PAHURA
NATIONAL DAILY

विवाह पवित्र बन्धन हो,
विवाहलाई लेनदेनको विषय
नबनाओ,
विवाहमा दाईजो लिने र दिने
काम नगरौं,
दाईजोका कारण हुने हिंसा
अन्त्य गरौं ।



नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

वर्ष २३ अंक २६४ वि.सं. २०८३ बैशाख ०९ गते बुध थारु सम्वत (२६४९)

[Wednesday 22 April 2026]

(मोल रु. ५ ।- पेज ४)

बेमौसमी टिनाखेतीमे महिला विशेषज्ञ वडा स्वास्थ्य क्लिनिकसे २७ हजार ढेर लाभान्वित

पहुरा समाचारवाता

टीकापुर, ८ बैशाख । कैलालीके टीकापुरके महिला ढेर आम्वानी लेहक लाग बेमौसमी टिना खेतीमे सम्पन्न हुइल बटै ।

टीकापुर-१ सत्यरुवामे महिलाहुके जीविकोपार्जनके लाग सामूहिक रुपमे बेमौसमी टिना खेती करले बटै । सत्यरुवामे रहल मिलिजुली कृषक समूहमे विपन्न वर्गके २३ महिलाहे छनोट कैके समूह बनाके टिना खेतीमे लागल बटै ।

विगतमे ज्याला मजदुरी करइया महिलाहुके समूहमे आबद्ध हुइलपाछे १२ कट्टा जमिन भाडामे लेके खेती करटी रहल बटै । महिलाहे स्थानीय पालिकाके कृषि विकास शाखाके समन्वयमे दिगो विकास समाज भजनीसे समुदाय सशक्तीकरण तथा विकासके लाग स्थानीय पहल परियोजनासे कृषक अगुवा तालिम, प्राविधिक ज्ञान के रहल बा । जिहीसे महिलाहुके बेमौसमी टिनाखेती सम्बन्धी ज्ञान हुइल बा ।

अब्बे उहाँहुकेनके बबरीमे कबली, टमाटर, मिर्चा, भिन्डी, आलुलगायतके टिना लगाइल बा । अगहनमे लगाइल आलु बिक्रीके लाग



तयार हुइल बा । अइसीक बेमौसमी टिना खेती करटी रहल महिला किसानहे सुदूरपश्चिम विश्वविद्यालय कृषि विज्ञान संकायके विद्यार्थी प्राविधिक सहयोग करटी रहल बटै ।

प्राविधिक फरक फरक तरिका ओ प्राविधिसे खेती करेबर कैसिन उत्पादन हुइल कहिके अध्ययन हुइटी रहल ओ किसानहे सिखैना करल प्राविधिक विद्यार्थी लक्ष्मी थारु बटैली । “हमे अक्के खेतीहे फेन फरकफरक तरिकासे कैके ओइनहे सिखैटी रहल बटै”, उहाँ कहली, “बाली संरक्षण, वातावरण संरक्षणसँगे ढेर उत्पादन कैसिक लेहे सेकजाइल कहिके फेन सिखैटी रहल बटै ।” महिलाहे

जीविकोपार्जनसँगे खेती करेबर अइना विपद्बारे समेत सचेत हुइल आशा चौधरी बटैली । “मजदुरी करइया महिला आयआर्जनमे लागलपाछे उहाँहुकेनके जीवन सहज हुइल बा”, उहाँ कहली, “आब ज्यालादारी करे नैजैठे, बारीमे काम करठे, घरही टिना बिक्री हुइल । खेतबारीमे आम्वानी लेहे पाके खुसी हुइल बटै ।”

किसान कृष्णी चौधरीलगायत ओहानक २३ जाने छिमेकी गोहीन फेन ज्यालादारी काम करिट । परियोजनासे जग्गा भाडामे लेके टिनाखेतीमे लगाइलपाछे अब्बे टिनाखेतीके आम्वानीसे घर चलैना, समस्या टर्ना सहयोग हुइल बटैली । “दुई बरसके लाग जग्गा लिजमे

लेडेहल बा, हमे खेती कैके आम्वानी लेना हो”, उहाँ कहली, “हमे ढेर चिज सिखगेली, ढेर बरस कठिन श्रम ज्यालादारीमे समय बिटैली, आब आम्वानी कैना डगरा सिखल बटै, इहे टिना खेतीमे भविष्य डेखले बटै ।”

ओस्टके दशघरुवामे महिलाहुके प्याजखेतीसमेत करले बटै । उहाँहुकेनके करल प्याज अब्बे बिक्रीके लाग तयार हुइल बा । किसान महिलासे अर्गानिक टिना उत्पादन कैना हुइल ओरसे बजारके समेत समस्या नैहो । उहाँहुके यहाँ उत्पादन हुइल टिना कुछ घरमे ओ बचल कृषि हाट बजारमे बिक्री कैना करल बटै । अइसीक खेती करटी रहल आपनहे स्थानीय पालिकासे अनुदान डेलेसे, आवश्यक कृषि औजार, पोली हाउसलगायतके सामग्री डेलेसे सहज हुइना ओइनके कहाइ रहल बा ।

पहुरा समाचारवाता धनगढी, ८ बैशाख । धनगढी उपमहानगरपालिकासे सञ्चालनमे लानल विशेषज्ञ वडा स्वास्थ्य क्लिनिक कार्यक्रमसे २७ हजार ८३९ बिरामी स्वास्थ्य सेवा लेले बटै । चालु आर्थिक वर्ष २०८२/८३ के सावनसे चैत मसान्तसम्म २७ हजार ८३९ बिरामी प्रत्यक्ष लाभान्वित हुइल हुइल ।

ग्रामीण क्षेत्रके गरिब तथा विपन्न नागरिकहे लक्षित कैटी सुरु करल उक्त कार्यक्रमसे उ अवधिमे २० हजार ८७५ महिला ओ छ हजार ९६४ जाने पुरुष निःशुल्क विशेषज्ञ सेवा लेहल कार्यक्रमके श्रोत व्यक्ति कृष्ण बोहरा जानकारी डेलै । ओहानक अनुसार उ कार्यक्रमके लाग एक जाने जनरल फिजिसियन, एक जाने स्त्री तथा प्रसूति रोग विशेषज्ञ चिकित्सकके साथे गेटा आँखा अस्पताल तथा धनगढी नेत्रालयके सहकार्यमे आँखीरोग विशेषज्ञसे

निःशुल्क सेवा प्रदान करल हो । उ अवधिमे १६ हजार ९०० जाने जनरल फिजिसियनसे, तीन हजार ७१५ महिला स्त्री तथा प्रसूति रोग विशेषज्ञसे ओ सात हजार २२४ जाने आँखी रोगसम्बन्धी सेवा लेहल बटै ।

ओहानक अनुसार क्लिनिकमे १८ हजार १६ जाने प्रयोगशाला सेवा, तीन हजार ८७ जाने इंसिजी सेवा, तीन हजार ४९८ गर्भवती सेवा लेहलमे एक हजार ३०६ जाने अल्ट्रासाउण्ड सेवा लेले बटै । ओस्टके ७० बरससे उपरके छ हजार ४६२ जाने सेवा लेले बटै । विसं २०७९ के साउनसे सुरु करल उ कार्यक्रम हरेक महिना १९ वडामे सञ्चालन कैना करल उहाँ बटैलै । आब २०८१/८२ मे उक्त कार्यक्रमसे ३३ हजार १४१ महिला ओ ११ हजार ३१० पुरुष सहित ४४ हजार ४५१ जाने सेवा लेहल उपमहानगरपालिका जनैले बा ।

ग्रामीण क्षेत्रमे महुवा संकलन



पहुरा समाचारवाता

धनगढी, ८ बैशाख । कैलालीके ग्रामीण क्षेत्रमे महुवा संकलन हुइ लागल बा । सिजन सुरु हुइलपाछे स्थानीय बन्वासे महुवा संकलन करे लागल हुइल । औषधीय गुण रहल महुवा संकलन करक लाग अब्बे ग्रामीण क्षेत्रके स्थानीयहे फुसट नैहो । गोहूँ भित्र्याइना काम ओराइलपाछे उहाँहुकेनके सक्रियता महुवा संकलनमे बहल हो । फुसदके समयमे गाउँघरके

मनै महुवा संकलन करटी रहल कैलाली गाउँपालिका-७ छटकपुर वसन्ताके दयाराम चौधरी जानकारी डेलै ।

उहाँके अनुसार बन्वामे रहल महुवाके रूखासे महुवक फूला फरटी रहल बा । भरल फूलाहे संकलन कैना ओ सुख्खाइना कार्य गाउँघरके मनै करटी रहल बटै । महुवा कैलालीस्थित टमान बन्वामे मिलल । गाउँघरके मनै महुवासे सुगन्धित दारु बनैना करल बटै । महुवाके

फूला खेलेसे स्वास्थ्यहे फाइदा फेन हुइना करल स्थानीय बटैलै । महुवा बन्वामे पैना गैरकाष्ठ प्रजातिके रूखाके फूला हो । वसन्त ऋतुभर यकर फूला फुलके भर्ना करल ।

भरल फूलाहे स्थानीय संकलन कैके सुख्खाइना ओ आवश्यक परल बेला उहीहे उपयोग करल चौधरी बटैलै ।

सरकारसे स्वीकृत पाठ्यपुस्तक प्रयोग निर्देशन

काठमाडौं, ८ बैशाख । शिक्षा तथा मानव स्रोत विकास केन्द्रसे शैक्षिक सत्र २०८३ कैलाग विद्यालयमे सरकारसे स्वीकृत पाठ्यपुस्तक केन्हे प्रयोग कैना ओ विद्यालय परिसरभितरे पोसाक तथा स्टेशनरी बिक्री नैकैना निर्देशन डेहल बा । केन्द्रसे देशभरके ७७ शिक्षा विकास तथा समन्वय एकाइहे पत्राचार करटी यी विषयमे तत्काल अनुगमन करके कारबाही आधे बह्ना निर्देशन डेहल हो ।

केन्द्रसे जारी करल परिपत्रमे कुछ निजी प्रकाशकसे कानूनके उल्लंघन करटी ढेर मूल्य तोकल, न्यून गुणस्तरके कागज प्रयोग करल ओ पाठ्यक्रम विकास केन्द्रसे स्वीकृत नैलेके पाठ्यपुस्तक बिक्री करटी

रहल गुनासो प्राप्त हुइल उल्लेख बा । नेपाल सरकारके नीति ओ कानून विपरीत कार्य करके बालबालिका ओ अभिभावकहे अतिरिक्त आर्थिक बोभ नैडेना केन्द्रसे निर्देशन डेहल बा ।

ओस्टके, पछिल्का समय विद्यालयसे अपनही वा विद्यालयभितरसे पोसाक, पाठ्यपुस्तक ओ स्टेशनरी सामग्री बिक्री-वितरण कैना करल पाइल कहटी केन्द्रसे यैसिन कार्य तत्काल रोक्न कहल बा । केन्द्रसे स्थानीय तहसंग समेत समन्वय करके विद्यालयमे आकस्मिक अनुगमन कैना ओ नियम उल्लंघन कैना प्रकाशक वा विद्यालयहे कानुनी दायरामे ल्यानके ओकर जानकारी केन्द्रमे पठैना निर्देशन डेहल बा ।

सुदूरपश्चिम प्रदेशके अत्याधुनिक सुविधा सम्पन्न



Advanced Healthcare for all.
निसर्ग हस्पिटल
एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा.लि.

विशेषज्ञ डाक्टर तथा ओ.पि.डी सेवाहरु

- जनरल फिजिसियन (पेट, धारी, मुटु) रोग विशेषज्ञ
- रेडियोलोजी विशेषज्ञ
- न्युरो, माइतक, नशा तथा मेरुदण्ड रोग विशेषज्ञ
- हाडजोर्नी तथा स्पोर्ट्स फिजियोथेरापिस्ट
- हाडजोर्नी तथा नशारी रोग विशेषज्ञ
- जनरल तथा ल्याप्रोस्कोपिक सर्जन
- स्त्री तथा प्रसूति रोग विशेषज्ञ
- नवजात शिशु तथा बालरोग विशेषज्ञ
- नाक, कान, घाँटी तथा थाइरोइड रोग विशेषज्ञ
- एनेस्थेसिया तथा क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ
- मुख, अनुहार तथा बडारा विशेषज्ञ
- मानसिक तथा नशा रोग विशेषज्ञ
- घाला, चीन, कुष्ठरोग तथा सौन्दर्य विशेषज्ञ
- मृगौला तथा मुत्ररोग विशेषज्ञ
- मुटु रोग विशेषज्ञ

Hasanpur, Dhangadhi-5, Kailali, Nepal
091-527000/01/02, 9865680100, 9804600745
www.nisarghospitalnepal.com | nisarghospitalnepal

सम्पदा जोगाओ, पहिचान बचाओ ।

- ऐतिहासिक, सांस्कृतिक तथा प्राकृतिक सम्पदाको संरक्षण गरौं ।
- सम्पदा क्षेत्रमा फोहोर नगरौं ।
- पुरातात्विक तथा धार्मिक स्थलहरूमा तोडफोड वा क्षति नपुन्याओ ।
- स्थानीय संस्कृति, परम्परा र मूल्य-मान्यताको सम्मान गरौं ।
- सम्पदा क्षेत्रको संरक्षणसम्बन्धी नियम तथा निर्देशनहरूको पालना गरौं ।
- पर्यटक तथा आगन्तुकहरूलाई सम्पदाको महत्वबारे जानकारी गराओ ।
- अनधिकृत निर्माण तथा अतिक्रमणबाट सम्पदालाई जोगाओ ।
- पुराना सम्पदाहरूको मर्मत-सम्भार र संरक्षणमा समुदायको सक्रियता बढाओ ।

सम्पदा जोगाउनु हाम्रो कर्तव्य हो ।

नेपाल सरकार
विज्ञापन बोर्ड

स्माईल चौधरीसे प्रकाशित

सतपाठक : प्रेम चौधरी (९८४८४२२२०७)

कार्यकारी सतपाठक : राम दहित (९८४८४९४५१८)

भाषा सल्लाहकार : दिलबहादुर चौधरी

पहुवा सतपाठक : कृष्णराज सर्वहारी

व्यवस्थापक सल्लाहकार : राजकुमार चौधरी

प्रधान कार्यालय: ध.न.पा.- ८, शिवनगर, कैलाली (नमस्ते सहकारी भवन)

मसुरिया शाखा: दिनेश दहित (९८१२६४९६०१)

पहलमानपुर शाखा: जीवन चौधरी (९८४४०९८८७/९८२५६२९३०५)

प्रधान कार्यालय धनगढी

E-mail: dailypahura@gmail.com,

Website: pahura.com

मुद्रक : समैजी अफसेट प्रेस, वेहडी, धनगढी

गुठी व्यवस्था राष्ट्रके अस्मिता

बिटल ७५ वर्षके अवधिमे सत्तामे टमान अइलै/गैलै । जे जे आइल, ओइनके पालामे गुठी कलेक कुछ नाइहो, यी जग्गा हो, यम्ने कुत, मोही जोरल बा । यिहिनहे सहजिल ओ बलगर पारे परठ, देवालय-शिवालयके देवीदेवता नैबोलठ । औरे जे रहे कना चिन्तनके कारण गुठी प्रणाली अतिक्रमि हइल । काल्ह हमार पुर्खामे गुठी ढरनाके मूल कारण उ कीर्ति चन्द्र-सूर्य रहटसम मासल कना रहे । यम्नेह हुनेखाने, पुगल व्यक्तिविशेष 'कीर्तिस्यस जीवति' के दर्शनसे प्रभावित होके अनेक मेरिक गुठीगाना ढरल रहे । गुठी मसुन कोइ फेन उद्यत नाहोए कहेक लाग "गुठी मसुनहे साठी हजार वर्षसम गुठके किरा होके बैठना थाप ओ गुठी जोगैनाहो ओत्रे वर्षसम स्वर्गमे बैठे पैना आशीर्वाद" डहल कुछ शिलापत्र, धर्मपत्रसे गुठीके संबन्धनशीलता ओ महत्व बुझे सेकजाइठ । हमार पुर्खा गुठी व्यवस्थामे नगद ढरनासे जग्गाहे प्रोत्साहन डेहल ।

उहाँहुकनहे पटा रहे- जग्गा कलेक कबु नैमना वस्तु हो, कौनो वेला नदीसे, बाढसे, पहिरोसे खैलेसे फेन कुछ वर्षपाछे पुनः जस्के टस हुइना चिज हो । कौनो राजामहाराजा कथकदाचित हरलेसे फेन 'गुठी हरण' के दोष लना हुइल ओरसे हतपत्त कोइ गुठीविरुद्ध नैजाइठ कना रहे । यी ७५ वर्षमे गुठीउप्पर अत्रा कष्टकर आपत्तिवत् आइल कि ओकर का बेलिविस्तार लगैना ? गुठी जग्गाहे खण्डीकृत करना प्रपञ्च, गुठी अधीनस्थ जग्गाहे रैतान नम्बरीमे परिणत करे सेकना व्यवस्था (२०४२), निजी गुठी जग्गाहे कबु कृतके आधारमे सट्टापट्टा, कबु अक्षय कोष ढैके रैतान बनैना खेलमेल आदि इत्यादिके कारण मठमन्दिरके आम्दानिके मूल स्रोत मासलके प्रतिफल हो । आज जाके देशभरके मठ-मन्दिर, धर्मशाला, पाटीपौवा, ढुंगेधारा, टुटेधारा रूप ओ भवन अवस्थामे पुगल बा । कुछ अपवादबाहेक अधिकांश सम्पदा लावारिस बने पुगल बा । रेखदेख ओ संरक्षण करनाहे सम्मान करे नैसेक्के, समयानुसार खान्गीके बन्दोबस्त करे नैसेकलपाछे कैयौं मठमन्दिरके ढोकामे ताल्वा लागल, स्याहार सम्भार करना कोइ नैहुइल । फलतः कैयौं देवदेवीके मूर्ति, गरगहना, पोसाक, आभूषण चोरके विदेशमे पुगल बा । आजकल ओइनमध्ये कुछ फिर्ता फेन अडिटि बा, यी खुसीके बाट हो । मूल बासस्थानके बेथिति ओ कुछके मूल स्थल पहिचान हुइ नैसेकना संग्रहालयके बन्द कोठामे बा ।

देशभर जहाँटहैं धार्मिक, सांस्कृतिक, ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक ठाउँमे अतिक्रमण हुइल बा । गुठीसंग सम्बन्धित जग्गा ओ भौतिक संरचनाके अतिक्रमण नित्यनिरन्तर होके सार्वजनिक महत्वके सम्पत्ति नैसेकल बा । मठ, मन्दिर, गुम्बा-विहारके जग्गाजमिन एवं सम्पत्ति खुम्चटि गैल बा । गुठीअन्तर्गतके कत्रा सम्पत्ति व्यक्तिके नाममे पुगल बा । ओकर अनेकौं उदाहरण बा । जनक-जानकीके

प्रसिद्ध स्थल जनकपुरधामके गुठी मातहतके कैयौं मठमन्दिर लावारिस बनल बा । जनकपुरधाममे गुठी मातहत २३ ठो मठमन्दिरके नाममे कौनो समय छ हजार बिघासे ढेर जग्गाजमिन रहे । उमध्ये पाँच हजार बिघासे ढेर जग्गा महन्तलगायतसे हडपके बेचबिखन करल, कत्रा जग्गा सरकारी कर्मचारीहे खुसी परना उपहारस्वरूप डेके ओराइल । भन्डे २० वर्षआघे महन्तसे सार्वजनिक सम्पत्ति मासके प्रतिवेदन फेन बनल । प्रतिवेदन कार्यान्वयन नैहोके अतिक्रमण नैरोकल बरु बहल । अइसिन ठाउँमे भारीभारी घर, भवन निर्माण करना क्रम जारी बा । यी

गुठीके इतिहास ओ ओम्ने विविध पक्षके अध्ययन मनन कैके का डेखाइठ कलेसे गुठी व्यवस्थाहे पूर्वजसे परिकल्पना कैके आत्मसात् नैकैके नेपालके धर्मसंस्कृतिके आधारशिलाके रूपमे रहल मठमन्दिर, विहार, गुम्बा, यात्रापूर्वके अस्तित्व लम्मा समयसम रहे सेकल नैरहे । गुठी व्यवस्थाके माध्यमसे ओकर जगेर्ना नैहुइलेसे सांस्कृतिक सम्पदामे गर्व करना कौनो आधार आज रहना नैरहे । काल्ह गुठीसे व्यक्ति, समाज ओ राष्ट्रहे जत्रा गुन लगैले रहे, समयके कोल्टो फेराइसंगे विगतके हमार कमीकमजोरीसे गुठी व्यवस्थाउप्पर बज्र प्रहार होके फेन मौन बैठल बटि । अइसिन स्थितिमे गुठी व्यवस्थासे अपेक्षित योगदान हुइ नैसेकना आश्चर्यजनक नाइहो । गुठीके उद्देश्य व्यक्ति, समाज ओ राष्ट्रके उन्नायक बा । यिहिनहे सञ्चालन करना यन्त्रस्व रूपके निकाय तथा गुठियारके अदूरदर्शिता एवं कमीकमजोरीसे राष्ट्रके गौरवगाथाके अभिवृद्धिमे प्रत्यक्ष सहयोग पुगाइल गुठीव्यवस्था निस्तेज बनल । यम्ने रहल भएका कमीकमजोरी हटाके समयसापेक्ष ढंगसे ओम्ने सुधार ओ विकासके प्रक्रिया अपनाइ सेक्केलेसे गुठी व्यवस्थाके माध्यमसे व्यक्ति, समाज ओ राष्ट्रसे मूर्त अमूर्त सांस्कृतिक सम्पदाके क्षेत्रमे ढेर उपलब्धि हासिल करे सेकट । अभिन समय गैल नैहो । यम्ने समयसापेक्ष सुधार, परिमार्जन एवं संरक्षणके प्रयास करजाइ कलेसे अभिन हम्रे कुछ मूर्त अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर जोगाइ सेक्जाइ । यी विषयमे मजासे चिन्तन करि, सोची, यिहिनसे हमार संस्कार, संस्कृति ओ सभ्यतासे जीवन्तता प्राप्त करे सेके ।

एक नमुना किल हो, देशभरके गुठी जग्गाके हालत यत्र तत्र जहाँटहाँ अस्टे बा । आब कैसिक पुनर्न्याय करना ? यी महत्वपूर्ण प्रश्न सबके सामु बा । गुठी व्यवस्था मासके, हमार मूर्त, अमूर्त सम्पदा जोगल नैहो, यी घाम जस्टे टड्कारो बा । कहे परि, अभिन फेन कौनो योजना सुरु करनाआघे सत्तामे बैठनाके आँखी गुठी जग्गामे परठ । गुठी जग्गामे कौनो योजना परल कलेसे अधिग्रहण करलपाछे गुठीहे कौनो रकम-कलम डेहे नैपरना, हाइसन्चो मानल विगतमे । उहाँहुकनहे थाहा हुइपरना हो कि गुठी जग्गा किल नाइहो यी मूर्त, अमूर्त सम्पदा जोगैना दिगो स्रोत हो । एकडम जैसिन विगतके सत्ताधारीसे गुठीहे अवरोधक सम्भल । यकर अर्थ गुठीके महत्व ओ यकर दर्शनहे बुझना चेष्टा पहिले कबु नैकरगिल । अब्बेक सरकार फेन अपन

सांसद तथा मन्त्रीहे गुठी का हो, गुठी काहे, यकर का महत्व बा कनाबारमे समयमे प्रशिक्षण डेलेसे पहिले करल जस्टे गल्ती नैहुइना रहे ।

गुठी संस्थान ऐन, २०३३ के पाछेक संशोधनसममे फेन गुठी जग्गा अधिग्रहण करल कलेसे सरकार फेन मुआब्जा डेहे परठ । नेपालके परिप्रेक्ष्यमे ओकर अवज्ञा हुइल पाजाइठ । आश्चर्य लागि नेपाल सरकारसे गुठी संस्थानहे बुझाइपरना रकम किल करिब ४० अर्ब रुपियाँ बा । धर्म, संस्कृति, मूर्त अमूर्त सम्पदा जोगाइ परठ कना सरकार ओकर अवज्ञा करना काम कत्रा उचित हुइ ? यी रकम कब

गुठीके इतिहास ओ ओम्ने विविध पक्षके अध्ययन मनन कैके का डेखाइठ कलेसे गुठी व्यवस्थाहे पूर्वजसे परिकल्पना कैके आत्मसात् नैकैके नेपालके धर्मसंस्कृतिके आधारशिलाके रूपमे रहल मठमन्दिर, विहार, गुम्बा, यात्रापूर्वके अस्तित्व लम्मा समयसम रहे सेकल नैरहे । गुठी व्यवस्थाके माध्यमसे ओकर जगेर्ना नैहुइलेसे सांस्कृतिक सम्पदामे गर्व करना कौनो आधार आज रहना नैरहे । काल्ह गुठीसे व्यक्ति, समाज ओ राष्ट्रहे जत्रा गुन लगैले रहे, समयके कोल्टो फेराइसंगे विगतके हमार कमीकमजोरीसे गुठी व्यवस्थाउप्पर बज्र प्रहार होके फेन मौन बैठल बटि । अइसिन स्थितिमे गुठी व्यवस्थासे अपेक्षित योगदान हुइ नैसेकना आश्चर्यजनक नाइहो । गुठीके उद्देश्य व्यक्ति, समाज ओ राष्ट्रके उन्नायक बा । यिहिनहे सञ्चालन करना यन्त्रस्व रूपके निकाय तथा गुठियारके अदूरदर्शिता एवं कमीकमजोरीसे राष्ट्रके गौरवगाथाके अभिवृद्धिमे प्रत्यक्ष सहयोग पुगाइल गुठीव्यवस्था निस्तेज बनल । यम्ने रहल भएका कमीकमजोरी हटाके समयसापेक्ष ढंगसे ओम्ने सुधार ओ विकासके प्रक्रिया अपनाइ सेक्केलेसे गुठी व्यवस्थाके माध्यमसे व्यक्ति, समाज ओ राष्ट्रसे मूर्त अमूर्त सांस्कृतिक सम्पदाके क्षेत्रमे ढेर उपलब्धि हासिल करे सेकट । अभिन समय गैल नैहो । यम्ने समयसापेक्ष सुधार, परिमार्जन एवं संरक्षणके प्रयास करजाइ कलेसे अभिन हम्रे कुछ मूर्त अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर जोगाइ सेक्जाइ । यी विषयमे मजासे चिन्तन करि, सोची, यिहिनसे हमार संस्कार, संस्कृति ओ सभ्यतासे जीवन्तता प्राप्त करे सेके ।

तिरेसेकना ? एक चो डेहे नैसेकजाइ कलेसे फेन हरेक वर्ष किस्ताबन्दीमे रलेसे फेन तिरे परठ । हो, गुठी संस्थान करेपरना कैयौं कार्यमे ध्यान डेहे सेकल नैहो । यी लाचार संस्थानके रूपमे डेखैटि आइल बा । टबफेन नेपालमे गुठी संस्थान किल अइसिन निकाय हो, जेकर लाग सरकार कौनो बजेटके व्यवस्था करे परल नैहो । गुठीके महत्व बहैना आब प्रचलित ऐन-कानूनमे आवश्यक संशोधन, परिमार्जन एवं सुधार जरूरी बा । नेपालके जग धर्म, संस्कृतिमे रहल बा । यिहिनसे निःसृत अनेकौं संस्कार ओ परम्परा बसैभर अपनअपन ढंगसे सम्पन्न हुइल बा । असल संस्कार ओ परम्पराहे प्रोत्साहित करैना संरक्षण ओ प्रवर्धन करटि जैना तथा गलत ओ काम नैलगना विकृति ओ विसंगतिहे सुधार, परिमार्जन ओ हटैना जाइ सेकि

तिरेसेकना ? एक चो डेहे नैसेकजाइ कलेसे फेन हरेक वर्ष किस्ताबन्दीमे रलेसे फेन तिरे परठ । हो, गुठी संस्थान करेपरना कैयौं कार्यमे ध्यान डेहे सेकल नैहो । यी लाचार संस्थानके रूपमे डेखैटि आइल बा । टबफेन नेपालमे गुठी संस्थान किल अइसिन निकाय हो, जेकर लाग सरकार कौनो बजेटके व्यवस्था करे परल नैहो । गुठीके महत्व बहैना आब प्रचलित ऐन-कानूनमे आवश्यक संशोधन, परिमार्जन एवं सुधार जरूरी बा । नेपालके जग धर्म, संस्कृतिमे रहल बा । यिहिनसे निःसृत अनेकौं संस्कार ओ परम्परा बसैभर अपनअपन ढंगसे सम्पन्न हुइल बा । असल संस्कार ओ परम्पराहे प्रोत्साहित करैना संरक्षण ओ प्रवर्धन करटि जैना तथा गलत ओ काम नैलगना विकृति ओ विसंगतिहे सुधार, परिमार्जन ओ हटैना जाइ सेकि

विचार

डा. गोविन्द टण्डन

कलेसे धर्म-संस्कृतिसे लाभाभिवन्त बने सेकल बा । गुठी प्रणालीके इतिहास हेरना हो कलेसे लिच्छविकालमे पुगे परठ । गुठीके परिकल्पना करना हमार पुर्खा ओहे जमानामे कत्रा दूरदृष्टि विचार रहल रहे । देशके धर्म-संस्कृति ओ सम्पदा जोगैना कौनो सत्तासीनके मुलाहिजा करे नैपरना, दिगो व्यवस्थाके परिपालन किल कैके करना अत्रा उत्कृष्ट व्यवस्था डेके फेन हम्रे महत्व बुझे नैसेकिल । आशा करि, आब गुठी व्यवस्थामे काल्ह करल यावत् गल्ती ओ कमजोरीहे सुधार करना ओ गुठी व्यवस्थाके माध्यमसे मूर्त-अमूर्त सम्पदा जोगैटि यकर निरन्तरताहे अविच्छिन्न करैना अवसर प्राप्त हुइल बा ।

नेपालके अस्मितासंग जोरल गुठी व्यवस्थाहे समयानुसार व्यवस्थित ओ दिगो रूपसे आगे बहे परठ । गुठी संस्थान जस्टे लाचार निकायसे यिहिनहे जोगाइ नैसेकजाइ । आब अधिकारसम्पन्न 'नेपाल गुठी आयोग' जस्टे निकायके स्थापना जरूरी बा । गुठीके कैयौं मुद्दा तीन पुस्तासे चलल नाजुक अवस्थाहे हटैना 'गुठी अदालत' गठन कैके छिटोछरितो ढंगसे न्याय पैना व्यवस्था फेन ओत्रे जरूरी बा । २००७ सालआघे राणाकालमे 'गुठी अदालत' हुइल कारण गुठी व्यवस्थामे कहुँ समस्या डेखैटिसाथ हलि ओ ढंगके न्याय पाइठ । समस्या पिल्साके नोक्सान करना अवस्थामे नैपुगे ।

राजगुठी अन्तर्गत देशभर यत्राविध मठमन्दिर, गुम्बाविहार बा मने ओकर जीर्णोद्धार, मर्मतसम्भार करे परल कलेसे मौजूदा गुठी संस्थानमे ओकर कौनो व्यवस्था नैहो । प्रस्तावित 'गुठी आयोग' अन्तर्गत सशक्त इन्जिनियरिङ युनिटके फेन जरूरी बा । यिहिनसे परल बखत अपन मर्मत सम्भार, जीर्णोद्धारके काम करना सहजिल होए । गुठी अन्तर्गत करेपरना काममे स्थानीयता, रैथाने प्रविधि ओ सिपके जरूरी परना रहल ओरसे काम करना तौरतरिका अन्य निकायसंग मेल नैखाइठ । खर्च करना तरिका फेन सार्वजनिक खरिद ऐनमे टेकके करे खोज्लेसे गुठी अन्तर्गत करेपरना काम धेर जैसिन रोकना स्थिति बा । यकर लाग फेन गुठी व्यवस्थामे अनुगमनहे बलगर करल परल बखत खर्च करना बाधा अड्चन नैअइना परिपाटीके आवश्यकता बा ।

नेपाली समाजमे गुठी जग्गा ओ रैकर जग्गाबिचके तुलना कैके अधिकांश मने गुठी जग्गा कटिसाथ नाकमुख खुम्च्यइठै । गुठी जग्गाके टे ओर ढेर महत्व हुइपरना नाइहो का ? जोन जग्गाके आम्दानीसे मठमन्दिरके आवश्यक क्रियाकर्म चलठ, जात्रा-उत्सव, पर्व चलठ, ओइसिन उपयोगी जग्गाहे हेलाके (बाँकी ३ पेजमे)

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ३ बडहरास्थित कित्ता नं. १९९ क्षेत्रफल १६९.३२ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री हरिनादेवी खत्रीले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईंको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबूत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सूचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण
पूर्व: पदमबहादुर खड्का पश्चिम: पदमबहादुर खड्का
उत्तर: चैरियादेवी डुंगौरा दक्षिण: सडक

धनगढी उपमहानगरपालिका

नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ३ स्थित कित्ता नं. १३९९ र १३९८ क्षेत्रफल २२८.५५ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री रोहित घिमिरेले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईंको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबूत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सूचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण
पूर्व: पार्वतीकुमारी पनेर, गगन विष्ट र नविन कठायत पश्चिम: सडक
उत्तर: कौशीलादेवी भण्डारी दक्षिण: भरतबहादुर कुमाल

धनगढी उपमहानगरपालिका

नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर २ बैय्याबेहडीस्थित कित्ता नं. १२६२ क्षेत्रफल ३३८.६३ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री कृष्णराज जोशीले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईंको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबूत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सूचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण
पूर्व: भुवनेश्वरी सिंह र रक्षा जोशी पश्चिम: कविराज जोशी
उत्तर: कविराज जोशी दक्षिण: सडक

धनगढी उपमहानगरपालिका

नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

संधियारको नाममा जारी १५ दिने सूचना

यस उपमहानगरपालिकाको वडा नम्बर ७ नमस्ते टोलस्थित कित्ता नं. ५३६ क्षेत्रफल १६९.३२ वर्गमिटरमा भवन निर्माण गर्ने घरधनी श्री नवल सिं चौधरीले यस उमनपामा पेश गरेको नक्सा बमोजिमको भवन निर्माण गर्न संधियारको नाममा सूचना प्रकाशित गरिएको छ । निवेदन साथ पेश हुन आएको प्रमाण र नक्साको आधारमा निर्माण स्वीकृति दिँदा तपाईंको जग्गाको हानिनोक्सानी हुन्छ, हुँदैन, सन्धि सर्पन हानिनोक्सानी हुने भए यो सूचना प्रकाशित भएको मितिले १५ दिनभित्र सबूत प्रमाणसहित नगरपालिकामा उजुर गर्न सूचित गरिन्छ । अन्यथा कानून बमोजिम नक्सापास भै जाने व्यहोरा सम्बन्धित सबैको जानकारीको लागि अनुरोध छ ।

१. निर्माण निमित्त प्रस्तावित जग्गाको चार किल्लाको विवरण
पूर्व: हिकमतबहादुर महता पश्चिम: सडक
उत्तर: जयन्ध्रप्रसाद भट्ट दक्षिण: प्रताप खड्का र कल्पना बुढाथोकी

धनगढी उपमहानगरपालिका

नगर कार्यपालिकाको कार्यालय, धनगढी, कैलाली

“लैंगिक समानताके लाग समान सोच ओ व्यवहार: समृद्धिके आधार”

जरूरी टेलिफोनके प्रायोजक:

हमार यहाँ बोडलर मूर्गानके मासु सुपथ मोलमे मिलठ । सेवा कर्ना मौका अवश्य देहडी ।
नोट : भोजविहा, ब्रतवन्धके लाग होम उलिभरीके सुविधा बा ।
प्रो.रमेश चौधरी
केभी मासु पसल
बिगाकेडी चौक, धनगढी कैलाली शाद उमावि लगे मो. ९८९१९३५६८०
एब्लुलेन्स नम्बर ९८२५६८९६९७, ९८४८४७७०९८, ९८५६८००५६, ९८५६८००५६, ९८५६८००५६, ९८५६८००५६
प्रहरी अञ्चल प्रहरी कार्यालय ०९१-५२९३०९ जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२९१५०,१००

वडा प्रहरी कार्यालय ०९१-५२९२९९,११०
इपका अतरीया ०९१-५५०९२३
जिनगर प्रहरी चौकी ०९१-५२९१८३
जिल्ला प्रहरी कार्यालय ०९१-५२९१५३
इपका मसुरिया ०९१-४०२०१४
इपका चौमाला ०९१-६९२५७९
इपका लम्की ०९१-५४०९९९
इपका मजली ०९१-५८०९९९
इपका सुखड ०९१-५२९१६६
इपका मालाखेती ०९१-५५०९२२
इपका फल्टुरे ०९१-६९०३३०
इपका हसुलिया ०९१-५२९१५५
इपका पाण्डौल २७४९०९४९०५
सिमा प्रहरी चौकी बहुलिया ०९१-५२९२०६
स.प्र.वल सिमासुरक्षा धनगढी ५२६१२८
बैक नेपाल राष्ट्र बैक ०९१-२९३३२ नवजिवन बैक ०९१-५२३६५३ कृषि विकास बैक ०९१-५२९२३३ मालिका विकास बैक ०९१-५२३३३८ बैक अफ काठमाण्डौ ०९१-५२३३८६

बैक अफ एसिया ०९१-५२५६५० नेपाल बलानदेश बैक ०९१-५२७७८५ सिटिजन बैक ०९१-५२७७८५ कुमारी बैक ०९१-५२६०३८ संजाराईज बैक ०९१-५२४८५० नेपाल इन्भेस्टमेन्ट बैक ०९१-५२३००६ एनएमबी बैक लि.०९१-५२९२९६ सरकारी कार्यालय जिल्ला प्रशासन .०९१-५२९१०९ जिल्ला विकास .०९१-५२३५६० नगरपालिका .०९१-५२९४८९ मालपोत.०९१-५२९२०९, नापी शाखा.०९१-५६०४०२ कृषि विकास .०९१-५२२२५५, भूमि सुधार.०९१-५२९२२४ जिल्ला हुलाक.०९१-५२९१५६, नेपाल बाल संगठन: ५२३६६५

टीकापुर अस्पताल ०९१-५६०९५० दमकल १०९ नेपाल रेडक्रस सोसाईटी ०९१-५२९३३३ कैलाली उ.बा.संघ ५२९२३७, ५२९३७९ एम्बुलेन्स : ५२९६० सांखुवाधिक एम्बुलेन्स सेवा टीकापुर ९८४८५७७५० विद्युत : ५२९१४५ विदेश मेटल ०९१-५२९३२२ होटल डिग्रीटी ०९१-५२३९९८/५२५२३९ जगदम्बा०९१-५२३५१०, विद्या ०९१-५२३२३७ लक्ष्मण ०९१-५२३६९३, सजलाईट ०९१-५२५३६ वल्लि लिक धनगढी : ५२०५५९ नाल्पाळा ०९१-५२३८३०/५२७९१० नेपाल पत्रकार महासंघ ५२७९२२ शैक्षिक संस्था कैलाली बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२९२३३ सुदूरपश्चिमाञ्चल क्याम्पस ०९१-५२३९१२ ईश्वर बहुमुखी क्याम्पस ०९१-५२९०७९ राजनैतिक पार्टी नेपाली कांग्रेस कार्यालय : ५२७९५७ नेकपा (एमाले) कार्यालय : ५२९०१० नसापाका काउन्सिल धनगढी : ०९१-५२९२५२ एफ.एम दिनेश एफ एम ९३.८ मेगाहर्ट्ज धनगढी: ०९१-५२६०७९

सन् २०२५ मे आप्रवासनके क्रममे सात हजार ९०० व्यक्ति मृत्यु वा बेपत्ता : राष्ट्रसंघ

काठमाडौं, ८ बैशाख । सन् २०२५ मे आप्रवासन मार्गमे लगभग सात हजार ९०० व्यक्तिके मृत्यु हुइल बा वा बेपत्ता हुइल संयुक्त राष्ट्रसंघके आप्रवासन निकायसे मंगर सार्वजनिक उ रिपोर्टमे कहल बा ।

यी संगे आप्रवासनके क्रममे सन् २०१४ से सन् २०२५ के अन्त्यसम कुल मृतक ओ बेपत्ता व्यक्तिके संख्या ८० हजारसे ढेर रहल बा ।

संयुक्त राष्ट्रसंघके अन्तर्राष्ट्रिय आप्रवासन संगठन (आइओएम) से सुरक्षित मार्ग पहुँचसे बाहेर हुके मने खतरनाक, अनियमित यात्रामे जैना बाध्य हुइना करल ओ ज्यान गुमैना करल बताइल बा । संगठनसे देशहे आप्रवासन मार्गमे ढेरसेढेर जीवन बचैना राजनीतिक इच्छाशक्ति खोज आग्रह करले बा ।

आइओएमसे कहले बा । “सन् २०२५ मे विश्वभर आप्रवासनके क्रममे करिब सात हजार ९०० मनैके मृत्यु



वा बेपत्ता हुइल अभिलेख धारल बा ।” आइओएमके बेपत्ता आप्रवासी परियोजनासे सन् २०१४ यहेर आप्रवासनके क्रममे ८० हजारसे ढेरके मृत्यु ओ बेपत्ताके अभिलेख राखल बा ।

“यद्यपि यी तथ्यांकसे प्रभावित व्यक्तिके वास्तविक संख्याके सबसे कम सीमाहे प्रतिनिधित्व करठ मनेफे यिहीसे आप्रवासी मृत्युके अन्त्य कैना ओ पाछे छोरल परिवारके जटिल आवश्यकताहे

सम्बोधन कैना तत्काल प्रतिक्रियाके आवश्यकताहे जोड देहठ, आइओएम कहले बा । आइओएमसे सन् २०२५ मे हुइल हजारौंके मृत्यु ओ बेपत्ताके अभिलेखसे यी रोकथाम करे सेक्ना मृत्युहे अन्त्य कैना विश्वव्यापी असफलताके निरन्तरता ओ वृद्धिसे संकेत करल बताइल बा ।

“सन् २०२५ मे सहायता कटौती ओ खतरनाक अनियमित मार्गके सूचनाने प्रतिबन्ध लगाइल रहे, जिहीसे ढेरसे ढेर

बेपत्ता आप्रवासीके गणनाहे कठिन बनाइल रहे, विज्ञप्तिमे कहल बा ।

यिहेबीच, आप्रवासीके बेपत्ता हुइना समस्यासे अब्बे कम्तिमे तीन लाख ४० हजार परिवारके सदस्य प्रत्यक्ष रूपमे प्रभावित हुइल अनुमान करल बा ।

ओइने अपन नातेदारके मनोवैज्ञानिक, सामाजिक, कानुनी ओ आर्थिक प्रभावके सामना करटी रहल आइओएमसे जनाइल बा । बेपत्ता हुइना समस्या अभिनफे समाधान हुइल नैहो ।

आइओएमसे सन् २०२६ मेके अन्तर्राष्ट्रिय आप्रवासन समीक्षा मञ्च गतिशीलता परिवर्तन कैना अवसर हुइल बताइल बा ।

“विश्वव्यापी आप्रवासन मार्गमे जीवन बचैना ओ यी रोकथाम करे सेक्ना क्षतिते सबसे ढेर प्रभावित परिवारहे हेर्ना दिगो राजनीतिक इच्छाशक्ति आवश्यक बा, आइओएम कहले बा ।

शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्जमे बाहसिंगा गणना सुरु

पहुरा समाचारदाता कञ्चनपुर, ८ बैशाख । शुक्लाफाँटा राष्ट्रिय निकुञ्जमे मंगरसे बाहसिंगा गणना सुरु करल बा ।

निकुञ्ज कार्यालय, नेपाली सेना तथा राष्ट्रिय प्रकृति संरक्षण कोषलगायतके साभेदार संस्थाके संयुक्त सहभागितमे गणना सुरु करल हो । यकर लाग ३५ जाने परिचालन करल बा ।

निकुञ्जके सूचना अधिकारी पुरुषोत्तम वाग्लेके अनुसार ‘हेड काउन्ट’ विधिसे बाहसिंगा गणना सुरु करल बा । गणनाके लाग मचानमे बैठके, फायरलाइनमे सवारीसाधन

प्रयोग करके तथा हात्तीके सहायतासे गणना (अवलोकन) कैना व्यवस्था मिलाइल बा ।

गणनाके लाग बाइनाकुलर, क्यामेरा, टेलिस्कोप, दूरबिन ओ ड्रोनके प्रयोग कैना बा कलेसे दुर्गम तथा नैके पुगे नैसेक्ना क्षेत्रमे तीन ठो हात्ती परिचालन कैना जनाइल बा । फायरलाइनमे दुई सवारीसाधन ओ चार ठो मचानमे तीन-तीन जानेक प्राविधिक जनशक्ति खटाइल बा ।

गणना बिहान ६ बजेसे ९ बजेसम ओ साँझ ४ से ७ बजेसम हुइटी रहल बा । मंगरसे सुरु हुइल गणना वैशाख १२ गतेसम जारी रना बा । गणनाके

क्रममे बाहसिंगाके संख्या एकिन कैना, बासस्थाके अवस्थाबारे अध्ययन कैना, आहार तथा जोखिमके मूल्यांकन कैना सूचना अधिकारी वाग्ले बटैलै ।

निकुञ्जके मभगाउँ मुख्य कार्यालयसे करिब २४ किलोमिटर दक्षिणमे रहल शुक्लाफाँटा घाँसेमैदान नेपालके सबसे भारी घाँसेमैदान मानजाइठ । करिब ३४ वर्ग किलोमिटर क्षेत्रफलमे फैलल यी क्षेत्रमे विश्वके भारी भुण्डके रूपमे बाहसिंगा पाजैठे । विसं २०८१ मे करल गणनामे यहाँ दुई हजार १८२ बाहसिंगा देखा परल रहिठ ।

निकुञ्जके रेञ्जर प्रयास केसीके

अनुसार निकुञ्जमे बाहसिंगाके सत्या सन्तोषजनक बा । पछिन्का वर्षमे मुख्य घाँसेमैदानबाहेक अन्य क्षेत्रमेफे बाहसिंगा देखाई लागल बटै । ‘यी संरक्षणके हिसाबसे सकारात्मक संकेत हो’, उहाँ कहलै, ‘गणनाहे घाँसेमैदानमे केल्ह सीमित नैधारके बाहसिंगा पैना सम्भावित अन्य क्षेत्रमे समेत विस्तार करल बा ।’

बाहसिंगा बाघके प्रमुख आहार प्रजातिके रूपमे रहल बा । पर्याप्त आहार ओ उपयुक्त बासस्थान व्यवस्थापनके कारण निकुञ्जमे बाघके संख्यासमेत वृद्धि हुइटी गैल जनाइल बा ।

गुठी व्यवस्था...

दृष्टिकोणसे नैहेरना करैना गुठी ओ रैकरबिच भेदभाव हटैना आवश्यक बा । यकर लाग गुठी जग्गाके संरक्षक (मोही) से रैकर जग्गावाला जस्टे परल बखत अपन भागमध्येसे बैकमे धितो ठाँके ऋणकर्जा लेहे सेक्ना, बेचबिखन कैके फेन आँठाके रैकरसरह मृत्यु हुइना अवस्थामे पुगाइ सेक्जाइ कलेसे गुठी जग्गाप्रतिके हेराइ फरक हुइ सेकि । गुठी जग्गा ओ रैकर जग्गाबिच व्यवहारमे फरक कलेक एक बाटके बा, उ हो गुठी जग्गा अधिग्रहणमे परि कलेसे मोहीके मूल्यांकन अनुसारके जग्गाके आधा भागके मूल्य प्राप्त हुइठ कलेसे रैकरके पूरे रकम जग्गाधनीसे प्राप्त करठ । कृत ओ मालपोत महसुलमे खास ओत्र ढेर अन्तर नैहो ।

गुठी व्यवस्था नेपालभितरके ‘अनेकताहे एकता’ मे जोरना सूत्रके अमूल्य दर्शनके रूपमे रलेसे फेन अभिन यकर

महत्व बुझना ओ बुझाइ सेकल नैहो । कौनो समय गुठी ओ रैकर जग्गा जोरल बा कलेसे रैकरवालासे गुठीके अन्न अपनमे परठ कलेसे एक हात अपनओरके अन्न नैकाट्ट । यिहे कारण रहे- गुठी जग्गाके एक गेडा अन्न अपनओर आइ कलेसे किल फेन सात पुस्ता बिगल कना सोच रहे । अब्बे कहाँ गुठी जग्गा हुइल पाजाइठ, कहाँ अतिक्रमण करे पाइल कहिके अवसरके खोजीमे मने दौरल देखाइठ ।

गुठी व्यवस्था नेपालके मूर्त-अमूर्त सम्पदाके संरक्षण, संवर्धन एवं प्रवर्धनके लाग स्वस्फूर्त प्रणाली हो । यी प्रणालीके रक्षा करे सेक्लेसे किल हमार सम्पदा जोगठ । गुठी व्यवस्थाहे व्यवस्थित कैके समयानुकूल करना गुठी विधेयक भन्डे सात वर्षआघे राष्ट्रिय सभामे टेबुल हुइल रहे । उ समयानुकूल नैहुइल, ओकर गुठी व्यवस्थाके अहित करना कना सरोकारवालासे सडकसे आन्दोलन ओ विद्रोह करल । ओकरपाछे दुई तिहाइके

तत्कालीन सरकार उ विधेयक फिर्ता लेहल । उयहेर सरकार पुनः गुठी विधेयक नानल नहो । आवके नयाँ सरकार पुनः यी विषयहे गम्भीर होके सोच समय आइल बा । गुठी व्यवस्थामे देखाइल समस्या ओ कमीकमजोरी हटाके यिहिनहे भरपरना, बलगर ओ सुदृढ कराके मूर्त अमूर्त सम्पदाके दिगो संरक्षणके रूपमे यिहिनहे पुनः रूपान्तरित करना जरुरी बा ।

गुठीके इतिहास ओ ओम्ने विविध पक्षके अध्ययन मनन कैके का देखाइठ कलेसे गुठी व्यवस्थाहे पूर्वजसे परिकल्पना कैके आत्मसात् नैकेके नेपालके धर्मसंस्कृतिके आधारशिलाके रूपमे रहल मठमन्दिर, विहार, गुम्बा, यात्रापूर्वके अस्तित्व लम्मा समयसम रहे सेकल नैहो । गुठी व्यवस्थाके माध्यमसे ओकर जगेना नैहुइलेसे सांस्कृतिक सम्पदामे गर्व करना कौनो आधार आज रहना नैहो । काल्ह गुठीसे व्यक्ति, समाज ओ राष्ट्रहे जत्रा गुन लगैले रहे, समयके कोल्टो फेराइसंगे विगतके हमार

कमीकमजोरीसे गुठी व्यवस्थाउपर बज्र प्रहार होके फेन मौन बैठल बटि । अइसिन स्थितिमे गुठी व्यवस्थासे अपेक्षित योगदान हुइ नैसेक्ना आश्चर्यजनक नाइहो ।

गुठीके उद्देश्य व्यक्ति, समाज ओ राष्ट्रके उन्नायक बा । यिहिनहे सञ्चालन करना यन्त्रस्व रूपके निकाय तथा गुठियारके अद्वैतशिता एवं कमीकमजोरीसे राष्ट्रके गौरवगाथाके अभिवृद्धिमे प्रत्यक्ष सहयोग पुगाइल गुठीव्यवस्था निस्तेज बनल । यम्ने रहल भएका कमीकमजोरी हटाके समयसापेक्ष ढंगसे ओम्ने सुधार ओ विकासके प्रक्रिया अपनाइ सेक्लेसे गुठी व्यवस्थाके माध्यमसे व्यक्ति, समाज ओ राष्ट्रसे मूर्त अमूर्त सांस्कृतिक सम्पदाके क्षेत्रमे ढेर उपलब्धि हासिल करे सेकट । अभिन समय गैल नैहो । यम्ने समयसापेक्ष सुधार, परिमार्जन एवं संरक्षणके प्रयास करजाइ कलेसे अभिन हम्ने कृष् मूर्त अमूर्त सांस्कृतिक धरोहर जोगाइ सेक्जाइ । यी विषयमे मजासे चिन्तन करि, सोची, यिहिनसे हमार संस्कार, संस्कृति ओ सभ्यतासे जीवन्तता प्राप्त करे सेके ।

साभारः गोरखापत्र दैनिकसे

श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश

- श्रम तथा रोजगार कार्यालयको जनहितमा जारी सन्देश
- रोजगार सम्झौता गरेर मात्रै काममा लागौं र लगाऔं ।
- औपचारिक तथा अनौपचारिक क्षेत्रका सम्पूर्ण श्रमिकको न्यूनतम ज्याला रु. १९,५५०/- अनिवार्य रूपमा कायम गरौं/गराऔं ।
- समान कामको समान ज्याला लैगिक आधारमा पारिश्रमिकमा विभेद गर्नु कानूनी अपराध हो ।
- कार्य स्थलमा श्रमिकलाई सुरक्षाका उपकरणहरू उपलब्ध गराई काममा लगाऔं, लैगिक हिंसाको अन्त्य गरौं ।
- बालश्रम कानूनी रूपमा दण्डनिय अपराध हो । बालश्रम नगरौं/नगराऔं ।
- श्रम अडिट प्रत्येक वर्षको पौष मसान्तभित्र अनिवार्य रूपमा पेश गर्नु/गराउनु उद्योग/प्रतिष्ठानको कर्तव्य हो अन्यथा नियमानुसार कारवाही गरिने छ ।
- असल श्रम सम्बन्धको आधार सामाजिक सुरक्षा र रोजगार औद्योगिक दुर्घटना न्यूनीकरण गरौं व्यवसायजन्य रोग लागनबाट बचौं ।
- श्रम ऐन, २०६४ र नियमावली, २०७५ को पूर्णरूपमा कार्यान्वयन गरौं ।
- वैदेशिक रोजगारीमा जाँदा अनिवार्यरूपमा श्रम स्वीकृति गरेर जाऔं ।



श्रम तथा रोजगार कार्यालय

धनगढी, कैलाली

डढेलोबाट जोगिऔं र जोगाऔं ।

- ❖ सुखखायाम तथा पतझरको समयमा डढेलो लाग्न सक्छ,
- ❖ डढेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ, डढेलोबाट जोगिन
- ❖ जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नबालौं,
- ❖ सुकखा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
- ❖ चुरोट, बिडी, आगोका झिलका भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
- ❖ डढेलोविरुद्ध समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं,
- ❖ डढेलो देखिएमा तत्काल सम्बन्धित निकायमा जानकारी गराऔं, वन जोगाउ र वातावरण संरक्षणमा योगदान दिऔं ।



कैलारी गाउँपालिका
गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय
कैलाली

ग्राहक वर्गहरूमा खुशीको खबर !

हाम्रो यहाँ सबै कम्पनीका रि-कण्डिसन मोटरसाइकलहरू पाइनुका साथै मर्मत पनि गरिन्छ र सबै कम्पनीका हेलमेट र पार्टसहरू थोक तथा खुद्रा मूल्यमा पाईन्छ ।
कुनै पनि मोटरसाइकल नगद खरिद गरेमा आकर्षक उपहारको व्यवस्था रहेको जानकारी गराउँदछौं ।



संजय अटो सेल्स एण्ड रि-कण्डिसन

धनगढी-४, उत्तरबेहडी (चटकपुर शहिद गेट भन्दा दुईसय मिटर पूर्व)

फोन नं. ०९१४१०१०५, सुजित मो. ९८५८४२३९१२, सुनिल मो. ९८६७७९३५२९, महेश मो. ९८९३३१०२९

जनप्रतिनिधि ओ कर्मचारीके लर्काबच्चा सरकारी विद्यालयमे पढना

भोजेम गैल युवकके हत्या दुई जाने पक्राउ

अछाम, ८ बैशाख । सामुदायिक विद्यालयके शैक्षिक गुणस्तर सुधार कैना उद्देश्यसे मेल्लेख गाउँपालिकासे सार्वजनिक पद धारण करल व्यक्तिके छावाछाइहे अनिवार्य रूपमे सरकारी विद्यालयमे पढाइ पर्ना निर्णय करले बा ।

सरकारी शिक्षा प्रणालीप्रति जनविश्वास अभिवृद्धि कैटी गुणस्तर सुधार कैना लक्ष्यसहित जनप्रतिनिधि, कर्मचारी तथा शिक्षक आपन बालबालिकाहे अनिवार्य रूपमे सामुदायिक विद्यालयमे भर्ना करे पर्ना निर्णय करल हो । गाउँसभाके १८औं अधिवेशनके सोमवार सम्पन्न पहिल बैठकसे आगामी शैक्षिक सत्र २०८३ से गाउँपालिका अन्तर्गत इ प्रावधान लागू कैना निर्णय करले बा ।

उ निर्णयअनुसार मेल्लेख गाउँपालिकाके आठ वडाके जनप्रतिनिधि, सरकारी कर्मचारी, शिक्षक तथा अन्य पदाधिकारीहुके



आपन बालबालिकाहे सामुदायिक विद्यालयमे भर्ना करे पर्ना बा ।

गाउँपालिकाके निमित्त प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत खड्कबहादुर धामीसे जारी सूचनामे उक्त व्यवस्था पालना नैकरलमे निर्णयअनुसार कारबाही प्रक्रिया आघे बहैना उल्लेख रहल बा ।

गाउँपालिका अध्यक्ष ज्वाला सिंह साउँद सामुदायिक विद्यालयके अवस्था सुदृढ कैना ओ जिम्मेवार व्यक्तिके ध्यान सरकारी शिक्षा ओर केन्द्रित करक

लाग इ निर्णय करल बटैलै ।

उहाँ कहलै, “विद्यालयके शिक्षा सुधारके लाग हप्ते आघे बहल बटी । गाउँपालिकाके निर्णय पालना नैकरइया व्यक्तिके आवश्यक कारबाहीसे लेके विकल्प खोजना प्रक्रिया समेत आघे बहाब ।”

सरकारी सेवा-सुविधा लेहुइया व्यक्ति आपन सन्तानहे सामुदायिक विद्यालयमे पढाइबर शिक्षक ओ व्यवस्थापन डुनु थप जिम्मेवार बना ओ इहीसे शैक्षिक गुणस्तरमे

सकारात्मक सुधार लाना विश्वास करल बा ।

गाउँपालिकासे निर्णय कार्यान्वयनके लाग शिक्षा, युवा तथा खेलकुद शाखा, सक्कु वडा कार्यालय तथा विद्यालयहे बोधार्थ पठैले बा । साथे शैक्षिक सुधार अभियानमे सहयोग कैना सक्कु सरोकारवालाहे अपिल करल बा ।

उहीसे आघे अछामके तुर्माखाँद गाउँपालिकासे फोन अस्टे व्यवस्था लागू करल रहे । प्रारम्भिक चरणमे मजा प्रभाव देखैलेसे फोन पाठक बरस यकर कार्यान्वयन कमजोर हुइटी गैल बटाइल बा ।

पहुरा समाचारवाता

धनगढी, ८ बैशाख । कञ्चनपुरमे भोजमे धरियार हतियार प्रहार करके युवकके हत्या हुइल बा ।

पुनर्वास नगरपालिका-५, भानुबस्तीमे धरियार हतियार प्रहारसे १८ वर्षीय उज्वल सायरके हत्या हुइल प्रहरी जनैले बा ।

जिल्ला प्रहरी कार्यालयके प्रवक्ता प्रहरी नायब उपरीक्षक (डीएसपी) हेमबहादुर शाहीके अनुसार गैल रात साढे १ बजेओर भानुबस्तीमे भोजमे

गैल बेला भगडा हुइबेर उज्वलउप्पर धरियार हतियार प्रहार हुइल रहे ।

उहाँ उपचारके लाग धनगढीस्थित माया मेट्रो अस्पताल लैगिल रहे मने उपचारके क्रममे उहाँक मृत्यु हुइल डीएसपी शाही बटैलै । उहाँक छातीमे धरियार हतियार प्रहार हुइल रहे ।

घटनामे संलग्न हुइल आरोपमे प्रहरी दुई जनहनहे अनुसन्धानके लाग पक्राउ करल बा । अनुसन्धानके लाग नियन्त्रणमे लेहल ओइनके परिचय गोप्य धारल बा ।

धनगढी उप-महानगरपालिका

०८ नं. वडा कार्यालय

धनगढी, कैलाली, सुदूरपश्चिम प्रदेश, नेपाल

दररेट पेश गर्ने सूचना

प्रकाशित मिति: २०८३/०१/०९ गते

१. धनगढी उप-महानगरपालिका वडा नं.-०८ द्वारा विभिन्न फर्म/सप्लायर्ससंग तपसिल बमोजिमको कार्य गर्नका लागि दररेट पेश गर्न यो सूचना प्रकाशित गरिएको छ ।

क्र.स.	विवरण	जम्मा रकम(मू.अ.क.) समेत	दररेट पेश गर्ने अन्तिम मिति र स्थान	कैफियत
१.	धनगढी उप-महानगरपालिका -०८ नं. वडा मा चप्पल बनाउने मेसिन खरिद गर्ने कार्य	८५,०००/-	२०८३/०१/१३ B.S. ०५:०० PM ध.उ.म.न.पा. ०८ नं. वडा कार्यालय	

२. दररेट पेश गर्ने फर्म/सप्लायर्सले अनिवार्य रूपमा दररेट पेश गर्ने व्यहोरा को लिखित निवेदन सहित नवीकरण भएको फर्म/कम्पनी दर्ता प्रमाणपत्रको प्रतिलिपि, मु.अ.क. दर्ता प्रमाणपत्रको प्रतिलिपि र आ.व. २०८१/०८२ को करचुक्ता प्रमाणपत्रको प्रतिलिपि संलग्न गरी पेश गर्नुपर्ने छ ।

३. उक्त कार्यका लागि आवश्यक BOQ ८ नं. वडा कार्यालय वाट रु १०००/- का दरले खरिद गर्नुपर्नेछ ।

४. BOQ मा आफुले कबोल गरेको रकम अंक र अक्षरमा स्पष्ट बुझिने गरी लेखेर पेश गर्नुपर्ने छ । केरमेट भएको दररेट (BOQ) मूल्यांकनमा समावेश गरिने छैन ।

हरि सिंह साउँद
वडा सचिव

कर्णालीके बालुमे प्याज खेती



पहुरा समाचारवाता
धनगढी, ८ बैशाख । मरुभूमि जस्टे रहल कर्णाली लडियाके बगरके बालुमे स्थानीय किसान प्याज खेती कैके आम्वानी करे लागल बटै । कैलालीके टीकापुर नगरपालिका-८, फाँटागाउँके ६० घरपरिवार कर्णाली लडियाके बालुमे प्याज खेती कैके फाइदा लेहे लागल हुइल । बाँभर रहल बलुटियामे उहाँहुके कृष बरस यहाँ प्याज खेती कैके कमाइ कैटी रहल बटै ।

स्थानीय प्रेम चौधरी लडिया किनारके बालुमे ओसिलोपन हाली नैजैना करल ओरसे प्याज खेती मजा हुइना करल बटैलै । उहाँ बालुमे प्याज

खेती करेबर ढेर मेहनत फेन आवश्यक नैपर्ना करल उल्लेख करलै । “बालुमे ढेर मेहनत करे नैपरट । गोबरमल डारके प्याज लगाके सिँचाइ किल करे परट”, चौधरी कहलै, “अन्य ठाउँके जग्गाके तुलनामे बालुमे प्याज उत्पादन मजा हुइल ।”

कर्णाली लडियाआसपास बसोबास रहल सोनहा जाति लडियाके बालु चानके सोन निकरना करल बटै । बालु चानके सोन खोजना ओ उहीसे गुजारा करइया उहाँहुकेनके परम्परागत पैसा हो मने सोन पैना बालुमे थारु समुदायके कृषक प्याज उत्पादन करे लागल बटै ।

कर्णाली लडियाके बलुटिया उपयोगमे नैहो । बरवार बलुटिया रहल ओरसे स्थानीय प्याज खेतीके परीक्षण करल रहल । कुछ बरस आघे लडियाके बालुवामे कम प्याज लगाके परीक्षण करेबर अन्यत्रसे ढेर उत्पादन हुइल किसानके कहाइ रहल बा । ओकरपाछे हरेक बरस प्याज लगाइ लागल कृषक चौधरी बटैलै । “बालुमे प्याज मजा फरल पाछे सक्कु जाने आकाषित होके ओम्हे प्याज खेती करे लागल हुइटी,” उहाँ कहलै ।

सुवर्ण अवसर ! सुवर्ण अवसर !! सुवर्ण अवसर !!!

कैलाली अस्पताल प्रा.लि
Provide Health Related Services

सेवाहरु:

- ✓ मधुमेह(सुगर)
- ✓ थाइराइड रोग
- ✓ पेट,मुटु तथा छातिरोग
- ✓ कलेजी रोग
- ✓ TB, हेपाटाइटिस रोग
- ✓ ब्लडप्रेसर तथा हृदयरोग
- ✓ मोटोपना

डा. अकाश राउत
MBBS, MD (T), Internal Medicine
Senior Consultant Physician
NMC NO. 20304
आउने समय : प्रत्येक दिन (२४ घण्टा)

डाक्टर आउने समय : प्रत्येक दिन, आकस्मिक सेवा (चिकित्सक) २४ घण्टा

हावा सेवाहरु : १) २४ घण्टा ईमर्जेन्सी सेवा, फार्मसी सेवा, अत्याधुनिक प्याथोलोजी, रंगीन इण्डोस्कोपी, डिजिटल एक्सरे, रंगीन भिडियो एक्सरे, अत्याधुनिक अप्रेसन थियटरबाट सेवा, वातानुकुलीन एम्बुलेन्स, वातानुकुलीन क्याबिन ।
२) स्त्री रोग तथा प्रसूती सम्बन्धी सेवा (बाँक्रोपन, सेतोपानी बग्ने, तल्लो पेट दुख्ने, महिनावारी गडबडी, पाठेघर खन्ने, पाठेघरको अप्रेसन, गर्भवती तथा सुत्केरी सेवा) । ३) ल्याप्रोस्कोपी तथा जनरल सर्जरी (हाइड्रोसिल, हर्निया, पायल्स, फिस्टुला, स्तनमा गाँठागुठी आउने, शरिरका विभिन्न भागमा गाँठागुठी, घाउ खटिरा, पत्थरी, किडनीको पत्थरी, प्रोस्टेटको अपरेसन तथा पित्तथैलीको पत्थरी अप्रेसन) । ४) हाड(जोर्नी तथा नशा सम्बन्धी सेवा (हाटखुट्टा बाङ्गे, फ्याक्चर, हाडजोर्नीको दुखाई, कम्मर दुख्ने तथा अत्याधुनिक मेसिनबाट हड्डीको अप्रेसन)छाती, मुटु, कलेजी तथा पेट सम्बन्धी सेवा । ५) यौनरोग, कपाल तथा छाला रोग सम्बन्धी सेवा । ६) मानसिक तथा मनोरोग सेवा । ७) नाक, कान, घाँटी रोग सम्बन्धी सेवा । ८) मुर्छा पर्नु, टाउको दुख्ने जस्ता समस्याहरु, प्यारालाइसिस हातखुट्टा नचल्ने सम्बन्धी सेवा । ९) न्यूरो (नशा रोग) लागुपदार्थ दुर्व्यसनी, कुलत सम्बन्धी, हाटखुट्टा क्रमभ्रमाउने, छारे रोग । १०) आगोले पोलेको हातखुट्टा बाङ्गिएको र खुँडेको अप्रेसन आदि सेवा ।

कैलाली अस्पताल प्रा.लि
जिल्ला प्रशासन कार्यालय अगाडि, पशुपति टोल, धनगढी, कैलाली
फोन नं. ०९१-५२४५५५, ५२४६५४, ५२९२४९

हार्दिक मंगलमय शुभकामना

नयाँ वर्ष २०८३ सालको सुखद उपलक्ष्यमा सम्पूर्ण उपभोक्ता वर्गमा सुख, समृद्धि एवं उत्तरोत्तर प्रगतिको हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त गर्दछौं ।

डडेलोबाट जोगिऔ र जोगाऔ ।

- सुख्खायाम तथा पतभरको समयमा डडेलो लाग्न सक्छ,
- डडेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ, डडेलोबाट जोगिन जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नबालौं,
- सुक्खा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
- चुरोट, बिडी, आगोका भिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
- डडेलोविरुद्ध समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं ।

जनज्योति सोनिया सावउस परिवार

भजनी, ९ डोडपुर

हार्दिक मंगलमय शुभकामना

नयाँ वर्ष २०८३ सालको सुखद उपलक्ष्यमा सम्पूर्ण उपभोक्ता वर्गमा सुख, समृद्धि एवं उत्तरोत्तर प्रगतिको हार्दिक मंगलमय शुभकामना व्यक्त गर्दछौं ।

डडेलोबाट जोगिऔ र जोगाऔ ।

- सुख्खायाम तथा पतभरको समयमा डडेलो लाग्न सक्छ,
- डडेलोले मानिस, वन्यजन्तु र पर्यावरणमा गम्भीर असर पार्न सक्छ, डडेलोबाट जोगिन जथाभावीरूपमा वन तथा जङ्गल क्षेत्रमा आगो नबालौं,
- सुक्खा घाँस पातजस्ता ज्वलनशील वस्तु सुरक्षितरूपमा व्यवस्थापन गरौं,
- चुरोट, बिडी, आगोका भिल्का भएका वस्तु जथाभावी नफालौं,
- डडेलोविरुद्ध समुदायस्तरमा सचेतना फैलाऔं ।

निलकण्ठ सावउस परिवार

भजनी-४ खैलाड, कैलाली